दिनांक 06 अगस्त, 2020 को 'कोरोना काल में स्वास्थ्य सुरक्षा-चुनौती तथा उपाय' विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान

एक संक्षिप्त रिपोर्ट

संस्थान के सरकारी कामकाज में राजभाषा हिन्दी के क्रियान्वयन में अपने कटिबद्ध संकल्प और प्रयासों को सार्थक रूप देने और गतिशील बनाने हेतु **जन स्वास्थ्य विषयों पर हिन्दी में व्याख्यानमाला श्रृंखला में** संस्थान के निदेशक, डॉ. हर्षद ठाकुर की अध्यक्षता एवं मार्गदर्शन में **दिनांक 06 अगस्त, 2020 को 'कोरोना काल में स्वास्थ्य सुरक्षा-चुनौती तथा उपाय' विषय पर ऑनलाइन** व्याख्यान आयोजित किया गया । यह व्याख्यान डॉ. जुगल किशोर, निदेशक, एवं विभागाध्यक्ष, सामुदायिक औषधि विभाग सफदरजंग अस्पताल एवं वर्धमान महावीर चिकित्सा महाविद्यालय (VMMC) द्वारा दिया गया । व्याख्यान के प्रारंभ में, श्री अरविन्द कुमार, सहायक निदेशक (रा.भा.) ने संस्थान के **निदेशक महोदय, डॉ. हर्षद ठाकुर, व्याख्यान के विशेषज्ञ वक्ता डॉ जुगल किशोर, डीन महोदय डॉ. वी. के. तिवारी** तथा सभी श्रोतागणों सभी का हार्दिक स्वागत, अभिनंदन किया गया तथा विशेषज्ञ वक्ता के बारे में संक्षिप्त परिचय देते हुए व्याख्यान के उद्देश्यों के बारे में विस्तार से बताया । निदेशक महोदय, डॉ. हर्षद ठाकुर द्वारा स्वागत संबोधन में विषय का उल्लेख करते हुए सभी को अपनी शुभकामनाएं दी ।

2. अपने व्याख्यान में विशेषज्ञ वक्ता डॉ जुगल किशोर ने अब तक विश्व में फैली विषाणु जन्य महामारियों जैसे हैजा,प्लेग, चेचक, स्वाइन फ्लू तथा कोरोना विषाणु संक्रमण आदि के इतिहास, प्रसार स्वरूप तथा कारणों आदि पक्षों पर प्रकाश डाला । उन्होंने कहा कि कोई भी रोग बिना कारण उत्पन्न नहीं होता, स्वच्छता का अभाव होना या इसकी पृष्ठभूमि में कोई न कोई जन्तु अवश्य होता है, जिसकी वजह से यह

महामारियाँ फैलती हैं। कोरोना रोग के संक्रमण के फैलने में भी यही कारण समझा गया है। उन्होंने विश्व के अनेक देशों में कोरोना रोग की प्रसार स्थिति के साथ भारत में इस रोग के पहले कम दर से और बाद में तेजी से फैलने, लोगों की मृत्यु दर बढ़ने के कारण उत्पन्न होने वाली चुनौती के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने इसके बचाव तथा उपाय के रूप में सभी लोंगों से एक समय अंतराल पर हाथ धोते रहने, मास्क को चेहरे पर उचित ढंग से पहनने, सामाजिक दूरी बनाए रखने आदि पक्षों पर बल दिया।

3. उन्होंने कहा कि कोविड- 19 के जरा से लक्षण जैसे लगातार सूखी खाँसी, सिरदर्द, तेज बुखार दिखने पर स्वास्थ्य केन्द्र/अस्पताल में अपनी जाँच कराने पर बल दिया और इसके उपचार के लिए वैक्सीन आने तक उपचार के भ्रामक तरीकों से सावधान रहने के लिए भी कहा। अंत में, उन्होंने इस विकट और चुनौतीपूर्ण समय में उन्होने डॉक्टरों, नर्सों और पैरा-मेडिकल स्टाफ की जिम्मेदारियों और जोखिमों की भी चर्चा की। उन्होंने यह भी कहा कि इसके उपचार की औषधि या वैक्सीन आने तक बरती जाने वाली सावधानियों में कमी नहीं आनी चाहिए। प्रश्न पूछे जाने पर, उन्होंने कुछ प्रतिभागियों के प्रश्नों के उत्तर भी दिए।

सत्र के समापन पर संस्थान के डीन महोदय डॉ. वी. के. तिवारी द्वारा डॉ. जुगल किशोर जी को, आयोजकों के प्रति तथा सभी की ओर से धन्यवाद व्यक्त किया। इस प्रकार इस सत्र का समापन हुआ। सत्र में अनुलग्नक में नामित व्यक्तियों ने भाग लिया।